Roll No. ....

D–3184

B. A. (Part II) EXAMINATION, 2020

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 75*

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(अ) राम भजो राम भजो राम भजो भाई।

राम के भजे गणिका तर गई, राम के भजे से गीध गति पाई॥

राम के नाम से काम बने सब, राम के भजन बिनु सबहिं न साई॥

राम के नाम से दोनों नयन बिनु, सूरदास भये कवि कुल राई।

राम के नाम से घास जंगल की, तुलसीदास भये भजि रघुराई॥

अथवा

हिन्दू चूरन इसका नाम, विलायत पूरन इनका काम।

चूरन जब से हिन्द में अया, इसका धन-बल सभी घटाया॥

चूरन ऐसा हट्टा-कट्टा। कीना दाँत सभी का खट्टा॥

चूरन चला दाल की मंडी, इसको खायेंगी सब रंडी॥

(ब) बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है। जिससे हमें दुःख पहुँचा है, उस पर यदि हमने क्रोध किया और यह क्रोध हमारे हृदय में बहुत दिनों तक टिका रहा तो वह बैर कहलाता है। इस स्थायी रूप में टिक जाने के कारण क्रोध का वेग और उग्रता तो धीमी पड़ जाती है, पर लक्ष्य को पीड़ित करने की प्रेरणा बराबर बहुत काल तक हुआ करती है।

अथवा

मनुष्य के हृदयगत रसस्वरूप आनंद की अभिव्यक्ति को काव्य कहते हैं। ब्रह्मानंद और काव्यानंद में केवल यही अन्तर होता है कि वह संसार निरपेक्ष और पूर्णतया आत्मगत होता है। काव्य का आनंद संसार निरपेक्ष तो नहीं होता किन्तु लौकिक से इस बात में भिन्न होता है कि उसमें व्यक्तिगत रहते हुए भी वह क्षुद्र स्वार्थों से ऊँचा उठा हुआ होता है।

(स) स्वतंत्रता का उत्सव हम मना रहे हैं। अपने को भूलकर अपने गुण और अपनी मान्यताओं को भूलकर आगे चलने में पीछे घूमकर देखते नहीं थे, वहीं अब दूसरों के पीछे सरपट दौड़ रहे हैं। स्वतंत्र भारत की स्वतंत्र नारी को अब सब कुछ फाड़ फेंकना है।

अथवा

जानकी का युग इस देश से कभी नहीं मिटेगा। मैं जानकी हूँ। इस देश की कोई भी स्त्री जानकी है। जब तक हमारे भीतर जानकी का त्याग है, जानकी की क्षमता है, तब तक वही है। तुम्हारे लिये जानकी पौराणिक है इसलिए असत्य है। मेरे लिये वह भावगम्य है। उनके भीतर मेरी सारी समस्याएँ, सारे समाधान हैं।

2. 'अंधेर नगरी' नाटक युग-बोध की कसौटी पर खरा उतरा है। सिद्ध कीजिए। 12

अथवा

क्रोध के विषय में आचार्य शुक्लजी के विचारों को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

3. 'मम्मी ठकुराइन' का चरित्र-चित्रण कीजिए। 12

अथवा

क्या 'दस हजार' एकांकी को प्रहसन की श्रेणी में रखा जा सकता है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 5

(i) भारतेन्दु युग के निबन्धकार।

(ii) 'बसंत आ गया है' निबन्ध का उद्देश्य।

(iii) हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास।

(iv) आधुनिक मीरा महादेवी वर्मा।

(v) हबीब तनवीर और छत्तीसगढ़ रंगमंच।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : प्रत्येक 1

(i) नाट्यशास्त्र की रचना किसने की है ?

(ii) 'अंधेर नगरी' नाटक में कितने अंक हैं ?

(iii) 'क्रोध' किस प्रकार का निबन्ध है ?

(iv) अमराई से जुड़ने का अर्थ किससे जुड़ना होता है ?

(v) हिन्दी एकांकी का प्रारम्भ कब से माना जाता है ?

(vi) 'बेईमानी की परत' के लेखक कौन हैं ?

(vii) 'स्ट्राइक' एकांकी का प्रकाशन वर्ष बताइए।

(viii) 'एक दिन' एकांकी में किस बात का वर्णन है ?

(ix) राहुल सांकृत्यायन का जन्म कहाँ हुआ था ?

(x) हबीब तनवीर किस विधा से सम्बन्धित थे ?

(xi) 'आगरा बाजार' किसका नाटक है ?

(xii) उदयशंकर भट्ट के कोई **तीन** एकांकी लिखिए।

(xiii) द्विवेदी युग के **दो** निबन्धकारों के नाम लिखिए।

(xiv) बाबू गुलाब राय किस युग के निबन्धकार है ?

(xv) हिन्दी के प्रथम नाटक का क्या नाम हैं ?

(xvi) आपके पाठ्यक्रम की मनोवैज्ञानिक एकांकी का नाम लिखिए।

(xvii) डॉ. विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों की भाषाशैली कैसी है ?

(xviii) 'मृच्छकटिकम्' के लेखक कौन हैं ?